ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-02-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-14	2026-02-15	2026-02-16	2026-02-17	2026-02-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	19.0	19.0	20.0	20.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	6.0	5.0	7.0	8.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	78	74	68	66	60
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	34	28	28	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	7	7	7	7
पवन दिशा (डिग्री)	320	310	320	320	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	1	0	0	4
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी सप्ताह में बारिश की कोई संभावना नहीं है और न ही कोई चेतावनी जारी की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19.0 से 20.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0 से 8.0 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई प्रभाव या संबंधित सलाह जारी नहीं की गई है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि-मौसम सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 13 से 19 फरवरी तक के विस्तारित पूर्वानुमान में काफी कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम और सामान्य न्यूनतम तापमान का संकेत मिलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए अधिकांश रबी फसलों में फूल आने और फली बनने के महत्वपूर्ण चरणों में सिंचाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए। कीट और रोग की निगरानी करनी चाहिए और पौध सड़न के लिए कार्बेन्डाज़िम 50% डब्लूपी 2-3 ग्राम/लीटर का प्रयोग करना चाहिए। फली छेदक कीट लगने की स्थिति में उचित जैविक (5% नीम के बीज का अर्क या बीटी1 कि.ग्रा./हेक्टेयर) और रासायनिक नियंत्रण (क्लोरेनट्रानिलिप्रोल 18.5 एसएल 125 मिली) का प्रयोग करना चाहिए। पहला छिड़काव 50% फूल आने पर करना चाहिए।
रेपसीड	फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीटों की निगरानी करनी चाहिए और रोग नियंत्रण के उपाय अपनाने चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोज़ेब 75% का छिड़काव 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए, जबकि रतुआ रोग की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लू एस /रिडोमिल एम्ज़ 72 का छिड़काव 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए।
सरसों	फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीटों की निगरानी करनी चाहिए और रोग नियंत्रण के उपाय अपनाने चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोज़ेब 75% का छिड़काव 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए, जबकि रतुआ रोग की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लू एस /रिडोमिल एम्ज़ 72 का छिड़काव 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए।
गेहूँ	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और बाली निकलने या फूल आने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई के बाद जब मिट्टी में नमी हो तब यूरिया का प्रयोग करना चाहिए।
जौ	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और बाली निकलने या फूल आने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई के बाद जब मिट्टी में नमी हो तब यूरिया का प्रयोग करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	पौधों को प्रतिकूल मौसम से बचाने के लिए सुरक्षात्मक जालों/ढांचों का उपयोग किया जाना चाहिए और मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए सिंचाई की जानी चाहिए।
आलू	आलू की पकी हुई फसल की तुड़ाई कर लेनी चाहिए और यदि आलू में पछेती झुलसा रोग लग जाए तो 2.5 ग्राम मैनकोजेब को पानी में मिलाकर प्रयोग करें।
सेब	सेब और बीज वाले फलों में फल सड़न रोग को नियंत्रित करने के लिए, तने के आसपास की मिट्टी को हटा देना चाहिए ताकि सूर्य की किरणें सीधे प्रभावित पेड़ के तने में प्रवेश कर सकें। प्रभावित छाल को हटा देना चाहिए और चौबटिया पेस्ट को मिट्टी के साथ लगाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को सर्दी-जुकाम से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। गाय/भैंस को केवल बरसीम, अगोला आदि जैसे अपरिष्कृत खाद्य पदार्थ ही नहीं खिलाने चाहिए। उन्हें हमेशा हरे चारे

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	के साथ मानक मात्रा में सूखा चारा भी देना चाहिए। गाय/भैंस के बछड़ों के सींगों की कलियों को एक सप्ताह की उम्र में ही नष्ट कर देना चाहिए।
गाय	गाय/भैंस को केवल बरसीम, अगोला आदि जैसे अपरिष्कृत खाद्य पदार्थ ही नहीं खिलाने चाहिए। उन्हें हमेशा हरे चारे के साथ मानक मात्रा में सूखा चारा भी देना चाहिए। गाय/भैंस के बछड़ों के सींगों की कलियों को एक सप्ताह की उम्र में ही नष्ट कर देना चाहिए।
बकरा	भेड़ और बकरी के नवजात मेमनों का अच्छे से ख्याल रखें और उनकी देखभाल करें।
भेड़	भेड़ और बकरी के नवजात मेमनों का अच्छे से ख्याल रखें और उनकी देखभाल करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई असर नहीं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई महत्वपूर्ण प्रभाव आधारित परामर्श नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details